UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

राजनीति विज्ञान

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

राजनीति विज्ञान (11)

MODEL PAPER (RBSE) 9

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पी प्रश्न -

(i) गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक वामे एनक्रुमा का संबंध निम्नलिखित में से किस देश से था? [1]

(अ) भारत (ब) मिस्त्र
(स) युगोस्लाविया (द) घाना

(ii) 'नगरनों काराबाख के स्थानीय लोगों ने अलगाववाद के लिए संघर्ष छेड़ा।' नगरनो काराबाख का संबंध निम्नलिखित में से किस देश है? [1]

(अ) अज़रबैजान (ब) अर्मेनियाई
(स) जॉर्जिया (द) चेचन्या

(iii) सोवियत संघ में औद्योगीकरण को विकसित करने का श्रेय निम्नलिखित में से किसको प्राप्त है? [1]

(अ) निकिता खुश्चेव (ब) जोसेफ स्टालिन
(स) ब्रेझनेव (द) येल्तसिन

(iv) बांग्लादेश में लोकतंत्रात्मक शासन कब स्थापित हुआ? [1]

(अ) 1985 (ब) 1986
(स) 1990 (द) 1991

(v) एच.आई.वी से सर्वाधिक संक्रमित लोग किस महाद्वीप में निवास करते हैं? [1]

(अ) एशिया (ब) अफ्रीका
(स) यूरोप (द) अमेरिका

(vi) 2001 का नोबल शांति पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के किस महासचिव को दिया गया? [1]

(अ) बुतरस बुतरस घाली (ब) कोफी ए. अन्नान
(स) पुर्त वाल्डहीम (द) बान की मून

(vii) अंटार्कटिका पर घटित होने वाली घटनाओं से संबंधित क्षेत्र नहीं है। [1]

(अ) वैज्ञानिक गतिविधियाँ (ब) मत्स्य आखेट
(स) पर्यटन (द) राजनीतिक सम्मेलन

(viii) नीति आयोग का गठन कब किया गया? [1]

(अ) 1 जनवरी 2015 (ब) 15 मार्च 1950
(स) 25 जनवरी 1950 (द) 1 जनवरी 2016

(ix) भारत-चीन युद्ध के समय विश्व किस संकट से गुजर रहा था? [1]

(अ) क्यूबा संकट (ब) बर्लिन विभाजन
(स) स्वेज संकट (द) अफगान संकट

(x) नक्सलवादी आंदोलन का जन्म किस राज्य में हुआ? [1]

(अ) बंगाल (ब) बिहार
(स) उड़ीसा (द) आंधप्रदेश

(xi) गोवा स्वतंत्रता से पूर्व किसके अधीन था? [1]

(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस
(स) पुर्तगाल (द) जर्मनी

(xii) 2004 में किस गठबंधन की सरकार केंद्र में बनी? [1]

(अ) राजग (ब) संप्रग
(स) राष्ट्रीय मोर्चा (द) सयुक्त मोर्चा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(i) 1962 में सोवियत संघ के राष्ट्रपति _____ ने क्यूबा में परमाणु मिसाइलें तैनात की। [1]

(ii) _____ देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्रसंघ के घोषणा पत्र पर दस्तख्त करने के साथ इस संगठन की स्थापना हुई। [1]

(iii) केरल में 1987 से 1991 के बीच सरकार _____ पहल के नाम से अभियान चलाया। [1]

(vi) 1956 में ब्रिटेन ने _____ के मामलें को लेकर मिश्र पर हमला किया। [1]

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(v) 25 जून 1975 के दिन सरकार ने घोषणा की कि देश में गडबड़ी की आंशका है और इस तर्क के साथ उसने संविधान के अनुच्छेद _____ को लागू कर दिया। [1]

(vi) 2004 के चुनाव में एक हद तक _____का पुनरूत्थान हुआ। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) दो ध्रुवीयता का प्रारंभ कब हुआ? [1]

(ii) जर्मनी का एकीकरण किस वर्ष किया गया? [1]

(iii) मिखाइल गोर्बाचेव के लोकतांत्रिक सुधार के संबंध में कोई दो कार्य बताइये। [1]

(iv) स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन क्यों किया गया? [1]

(v) आधुनिक काल में वर्चस्व का प्रथम उदाहरण कौनसा है? [1]

(vi) अमेरिकी सैन्य वर्चस्व के कोई दो उदाहरण बताइये। [1]

(vii) ऑस्ट्रेलिया में बहुराष्ट्रीय कम्पनी 'वेस्टर्न माइनिंग कॉरपरेशन' के विरूद्ध अभियान क्यों चलाया गया? [1]

(viii) भू-राजनीति से क्या अभिप्राय है? [1]

(ix) वैश्वीकरण का विकासशील देशों पर क्या नकारात्मक प्रभाव है? [1]

(x) वैश्वीकरण से गरीब देशों को होने वाले कोई दो लाभ लिखिए। [1]

(xi) भारत में जन आंदोलन के कोई दो उदाहरण लिखिए। [1]

(xii) मराठी भाषा की गोलपीठ कविता के रचनाकार कौन है? [1]

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. समुद्री क्षेत्र में अमेरिकी वर्चस्व को उदाहरण सहित बताइए। [2]

5. मालदीव में लोकतंत्र की स्थापना कैसे हुई? [2]

6. शेख मुज़ीबुर्र की हत्या कब व क्यों की गई? [2]

7. न्यासिता परिषद का कार्य क्या था तथा इसे कब समाप्त किया गया? [2]

8. सामुहिक सुरक्षा की अवधारणा क्या है? समझाइये। [2]

9. विश्व राजनीति में पर्यावरण की सुरक्षा का मुद्दा कब तथा क्यों अस्तित्व में आया? [2]

10. 'वैश्वीकरण एक बहुआयामी अवधारणा है' कैसे समझाइये? [2]

11. प्रथम आम चुनाव से पूर्व चुनाव आयोग के समक्ष प्रमुख समस्याएँ क्या थी? [2]

12. लाल बहादुर शास्त्री पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

13. राम मनोहर लोहिया पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

14. सूचना के अधिकार आंदोलन का जन्म कब तथा कहाँ से हुआ। [2]

15. गोवा की मुक्ति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

16. भारत में सिक्किम के विलय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

17. प्रथम पंचवर्षीय योजना कब प्रारंभ की गई तथा इसके उद्देश्य क्या थे? [3]

18. स्वतंत्रता के पश्चात् पण्डित नेहरू द्वारा अपनाई गई गुटनिरपेक्ष नीति के अंतर्गत भारत ने कौनसे कदम उठाए। [3]

19. आंतरिक आपातकाल के संदर्भ में न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका विवाद को समझाइये। [3]

20. 2004 के लोकसभा चुनाव के पश्चात् भारतीय राजनीति में किन बातों को लेकर पार्टियों में आम सहमति बनी? [3]

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

21. शीतयुद्ध के आपका क्या अभिप्राय है? शीतयुद्ध में भारत की क्या भूमिका थी? [4]

अथवा

गुटनिरपेक्षता का अर्थ बताते हुए समझाइए कि यह तटस्थतावाद व पृथकतावाद से किस प्रकार भिन्न थी?

22. भारत - चीन आर्थिक संबंधों के नये युगों का प्रारंभ कब हुआ। वर्तमान समय में दोनों देशों के बीच संबंधों का वर्णन कीजिए। [4]

अथवा

यूरोपीय संघ की गठन प्रक्रिया को समझाइये।

23. आजाद भारत के समक्ष विस्थापन और पुर्नवास सबसे बड़ी समस्या थी? कैसे समझाइये। [4]

अथवा

"सरदार वल्लभ भाई पटेल को भारत के एकीकरण का कर्णधार माना जाता है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तरमाला मॉडल पेपर -09

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पीय प्रश्न -

(i) [द]

वामे एनक्रूमा घाना के पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने अफ्रीकी-एशिया एकता और समाजवाद का पक्ष लिया।

(ii) [अ]

अज़रबैजान मध्यएशिया का देश है जो सोवियत संघ के 15 गणराज्यों में शामिल था। 1991 में सोवियत संघ के पतन के पश्चात् अज़रबैजान ने इस प्रांत के लोगों ने अलग होकर आर्मेनिया से मिलने का प्रयास किया।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(iii) [ब]
जोसेफ स्टालिन ने सोवियत संघ के औद्योगिक में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्टालिन ने खेती का बलपूर्वक सामुहिकीकरण भी किया।

(iv) [द]
1975 में बांग्लादेश में सैनिक शासन प्रांरभ हुआ। जनरल इरशाद के काल में बांग्लादेश में सैनिक शासन के विरूद्ध विद्रोह हुआ। 1990 में इरशाद ने त्यागपत्र दिया तथा 1991 में बांग्लादेश में लोकतंत्र स्थापित हुआ।

(v) [ब]
एच.आई.वी एड्स की बिमारी यूरोपीय देशों के द्वारा अफ्रीका व एशियाई देशों में फैलाई गई थी। एच.आई.वी एड्स से संक्रमित सर्वाधिक लोग अफ्रीका में है।

(vi) [ब]
कॉफी अन्नान ने 2005 में मानवधिकार परिषद तथा शांति संस्थापक आयोग की स्थापना की। 2001 का शांति का नोबेल पुरस्कार कॉफी अन्नान को दिया गया।

(vii) [द]
अंटार्कटिका पर वैज्ञानिक गतिविधियाँ, मत्स्य आखेट, पर्यटन इत्यादि गतिविधियाँ घटित होती है। राजनीतिक सम्मेलन नहीं होते।

(viii) [अ]
योजना आयोग की समाप्ति की घोषणा 2014 में की गई तथा 1 जनवरी 2015 को नीति आयोग (NITI-National Institute for Transforming India) का गठन किया गया।

(ix) [अ]
क्यूबा संकट 1962 के दौरान चीन ने भारत पर आक्रमण किया। बर्लिन विभाजन - 1961, स्वेज संकट - 1956, अफगान संकट - 1979

(x) [अ]
बंगाल के नक्सबाड़ी क्षेत्र से 1967 में नक्सलवादी आंदोलन का जन्म हुआ। इस आंदोलन का जन्म जमींदारी प्रथा के विरूद्ध हुआ।

(xi) [स]
गोवा पुर्तगालियों के अधीन था। 1961 में भारत ने अपनी सेना भेजकर गोवा को पुर्तगाल से आजाद करवाया।

(xii) [ब]
2004 में कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन [संप्रग] का जन्म हुआ तथा केन्द्र में इस गठबंधन की सरकार बनी।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति -

(i) ख्रुश्चेव

(ii) 51

(iii) नवलोकतांत्रिक

(iv) स्वेज नहर

(v) 352

(vi) कांग्रेस

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद 1945 से पूंजीवादी व साम्यवादी विचारधारा के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका व सोवियत संघ के बीच वैचारिक द्वंद्व प्रांरभ हुआ इसे दो ध्रुवीय विश्व कहा जाता है।

(ii) 9 नवंबर 1989 को जर्मनी की बर्लिन की दीवार को तोड़ दिया गया तथा अक्टूबर 1990 को जर्मनी का एकीकरण कर दिया गया।

(iii) विचार व अभिव्यक्ति की आजादी, सोवियत संसद ड्यूमा में बहुदलीय व्यवस्था।

(iv) सोवियत संघ के पतन के पश्चात् स्वतंत्र हुए राष्ट्रों ने अपनी अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (कॉमनवेल्थ ऑफ इंनडिपेन्डेट स्टेट्स) का गठन किया।

(v) यूरोप की राजनीति के संदर्भ में 1660 से 1713 तक फ्रांस का दबदबा था और यह आधुनिक वर्चस्व का प्रथम उदाहरण है।

(vi) अमेरिका ने 9/11 आतंकी हमले के विरूद्ध ऑपरेशन इण्ड्यूरिंग फ्रीडम चलाया तथा 2003 में इराक के विरूद्ध ऑपरेशन इराकी फ्रीडम चलाया।

(vii) ऑस्ट्रेलिया के इस कम्पनी का विरोध ऑस्ट्रेलियाई आदिवासियों के बुनियादी अधिकारों के पैरोकारी के कारण किया गया।

(viii) प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार या नियंत्रण करने के उद्देश्य से विश्व के शक्तिशाली देशों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को भू-राजनीति कहा जाता है।

(ix) 1. विकासशील देश आर्थिक रूप से विकसित देशों पर अधिक निर्भर हुए है।
2. विकासशील देशों की संस्कृति पर विकसित देशों की संस्कृति हावी हुई है।

(x) गरीब देशों में आर्थिक निवेश बढ़ा है जिससे उनकी गरीबी कम हुई है। गरीब देशों को प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में विकसित देशों का सहयोग प्राप्त हुआ है

(xi) चिपको आंदोलन, दलित पैंथर्स का दलित आंदोलन

(xii) नामदेव ढसाल

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न -

4. समुद्री व्यापार – मार्ग (सी लेन ऑव कम्युनिकेशन्स - SLOCs) जिसका इस्तेमाल व्यापारिक जहाज करते हैं। अमेरिका का अपनी नौसेना के माध्यम से समुद्र पर वर्चस्व है जिसके माध्यम से वह समुद्री व्यापार के नियम तय करता है।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

5. 1968 में मालदीव गणतंत्र बना तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली को अपनाया। 2005 के जून में बहुदलीय प्रणाली को अपनाया गया। मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी – MDP का मालदीव के लोकतंत्र में दबदबा है।
6. 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के पश्चात् शेख मुज़ीबुर रहमान ने सत्ता संभाली। 1975 में शेख मुजीब ने संविधान में संशोधन कर संसदीय प्रणाली के स्थान पर अध्यक्षीय प्रणाली को अपनाया। इसके परिणामस्वरूप 1975 में सेना द्वारा रहस्यमयी रूप से उनकी हत्या कर दी गई।
7. उपनिवेशवाद से स्वतंत्र छोटे देशों को संरक्षण प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के अंग के रूप में न्यासिता परिषद का गठन किया गया था। 1 नवंबर 1994 को पलाऊ की स्वतंत्रता के बाद न्यासिता परिषद को समाप्त कर दिया गया।
8. ऐसे खतरें जिनका सामना किसी देश की सेना नहीं कर सकती जैसे - आतंकवाद, महामारियाँ तथा जलवायु परिवर्तन इत्यादि। ऐसे खतरों से निपटने के लिए सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा का जन्म हुआ है।
9. 1960 के दशक के बाद विश्व राजनीति में पर्यावरण सुरक्षा के मुद्दे का जन्म हुआ। वैश्विक मामलों से सरोकार रखने वाले विद्वत समूह 'क्लब ऑव रोम' ने 1972 में 'लिमिट्स टू ग्रोथ' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की जिसमें बढ़ती जनसंख्या तथा पर्यावरण के खतरों की ओर संकेत किया गया था।
10. वैश्वीकरण अर्थात् विचारों, वस्तुओं, सेवाओं तथा व्यक्तियों का एक देश से दूसरे देश में गमन करना है। इस कारण से वैश्वीकरण को बहुआयामी अवधारणा कहा जाता है।
11. प्रथम आम चुनाव 1951-52 में संपन्न हुआ। इस समय भारत में अशिक्षित मतदाता चुनाव आयोग के समक्ष सबसे बड़ी समस्या थी। 17 करोड़ मतदाताओं मे से केवल 15% मतदाता ही साक्षर थे। मतदाता सूची बनाते समय मतदाताओं का नाम अंकित करना चुनाव आयोग के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती थी।
12. लाल बहादुर शास्त्री 1930 से स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए तथा 1951-56 तक केंद्रीय मंत्रिमण्डल में मंत्री पद पर रहे। रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मंत्री पद से त्यागपत्र दिया। 1964-66 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। 'जय जवान - जय किसान' का नारा दिया। 1966 में ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर कर वापस लौटते समय विमान में मृत्यु हो गई।
13. राम मनोहर लोहिया समाजवादी नेता व स्वतंत्रता सेनानी तथा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य रहें। 1963-67 तक लोकसभा सांसद रहे। 'मेनकांइड' एवं जन नामक पत्रिकाओं के संस्थापक संपादक रहे। 1967 के चुनाव में 'गैर कांग्रेसवाद' का नारा दिया। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण की वकालत की।
14. सूचना के आंदोलन की शुरूआत 1990 में मजदूर किसान शक्ति संगठन ने की। राजस्थान की भीम तहसील में काम कर रहे इस संगठन ने सरकार के समक्ष मांग रखी की अकाल राहत कार्य और मजदूरों की दी जाने वाली पगार के रिकॉर्ड का सार्वजनिक खुलासा किया जाये।
15. भारत की आजादी के समय गोवा पुर्तगाल के अधीन था। गोवा की आजादी के लिये एक आंदोलन चला। गोवा पर पुर्तगाली अत्याचारों के विरूद्ध भारत सरकार ने 1961 में अपनी सेना भेजी तथा गोवा को मुक्त करवाकर गोवा दमन व दीव को संघ शासित प्रदेश बनाया। 1967 में गोवा में जनमत संग्रह करवाया गया तथा 1987 में इसे भारत संघ राज्य का दर्जा दिया गया।
16. भारत के आजादी के समय सिक्किम की रक्षा व विदेशी मामलों का जिम्मा भारत सरकार का था तथा आतंरिक शासन सिक्किम के राजा चोग्याल के हाथ में था। सिक्किम विधानसभा के पहले आम चुनाव 1974 में सिक्किम कांग्रेस को विजय मिली जो कि सिक्किम को भारत में शामिल करने के पक्ष में थी। भारत सरकार ने सिक्किम विधानसभा के अनुरोध पर सिक्किम को भारत संघ में शामिल कर 22 वाँ राज्य बनाया।

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

17. प्रथम पंचवर्षीय योजना 1951 से 56 तक निर्धारित की गई जिसका उद्देश्य भारत को गरीबी के मकड़जाल से निकालना था। इस योजना के योजनाकार के.एन. राज थे। के.एन. राज एक युवा अर्थशास्त्री थे, जिन्होनें धीमी गति से विकास तथा कृषि को प्राथमिकता प्रदान की। इस योजना के अंतर्गत बांध व सिंचाई के क्षेत्र पर निवेश किया गया। इस योजना में योजना के बजट का 15.1 प्रतिशत कृषि पर खर्च किया गया तथा 17 प्रतिशत सिंचाई और बाढ़ पर खर्च निर्धारित किया गया। इस योजना के अंतर्गत भाखड़ा-नांगल जैसी विशाल परियोजना प्रारंभ की गई तथा भूमि सुधार पर बल दिया गया। योजना के योजनाकारों का लक्ष्य था कि राष्ट्रीय आय के स्तर को ऊपर उठाया जाये जिससे लोगों की बचत व खर्च में वृद्धि हो सके।
18. स्वतंत्रता के पश्चात् शीतयुद्ध के दौरान पूँजीवादी व साम्यवादी खेमें से दूरी बनाते हुए भारत ने पण्डित नेहरू के नेतृत्व में गुटनिरपेक्ष नीति का अनुसरण किया। भारत ने नाटो व वारसा पैक्ट जैसे सैनिक गुटों से अलग रहते हुए स्वेज नहर पर ब्रिटिश आक्रमण, नवउपनिवेशवाद, सोवियत संघ के हंगरी पर आक्रमण जैसे मुद्दों पर विरोध प्रकट किया। भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण

करते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिये इन खेमों में शामिल देशों से आर्थिक व तकनीकी सहयोग भी प्राप्त किया। पाकिस्तान को सैन्य गुटों में शामिल करने पर भी भारत ने विरोध प्रकट किया। जिससे भारत – अमेरिकी संबंधों में दुरिया बढ़ी। भारत ने नियोजित विकास के लिये सोवियत संघ के मॉडल का अनुसरण किया तथा सोवियत संघ से आवश्यक सहायता भी प्राप्त की।

19. 12 जून 1975 को इलाहाबाद के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने एक फैसला सुनाया जिसके अंतर्गत लोकसभा के लिए इंदिरा गांधी के निर्वाचन को असंवैधानिक करार दिया गया। यह फैसला इंदिरा गांधी के विपक्षी समाजवादी उम्मीदवार राजनारायण द्वारा दायर की गई याचिका के संदर्भ में सुनाया गया। न्यायपालिका ने चुनाव के दौरान इंदिरा गांधी द्वारा सरकारी मशीनरी के दुरूपयोग को असंवैधानिक माना गया। फैसले के अंतर्गत इंदिरा गांधी का सांसद पद अवैधानिक हो गया। अत: उसे 6 माह के भीतर संसद की सदस्यता प्राप्त करनी थी अन्यथा वह प्रधानमंत्री भी नहीं रहती। 24 जून 1975 को सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर आंशिक स्थगनादेश सुनाते हुए कहा कि इस फैसले को लेकर की गई अपील पर सुनवाई नहीं होने तक इंदिरा गांधी सांसद बनी रहेगी लेकिन वह लोकसभा की बैठकों में भाग नहीं लेगी।

20. 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने सबसे अधिक सीटे प्राप्त की तथा कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार बनी। इस चुनाव में भारतीय राजनीति में कुछ मुद्दों पर आम सहमति बनी जो इस प्रकार है।

नई आर्थिक नीति – ज्यादतार राजनीतिक दल इस नीति के पक्ष में थे। अधिकतर दलों का मानना था कि इस नीति से देश की आर्थिक् समृद्धि होगी तथा भारत एक आर्थिक शक्ति बनकर उभरेगा।

पिछड़ी जातियों के राजनीतिक महत्व का समर्थन – अधिकतर राजनीतिक दलों ने पिछड़ी जातियों के सामाजिक व राजनीतिक दावों को स्वीकार किया तथा शिक्षा व रोजगार के क्षेत्रों में पिछड़ी जातियों के आरक्षण का समर्थन किया।

प्रांतीय दलों की भूमिका – 1989 के पश्चात भातीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका में निरन्तर वृद्धि हुई। केन्द्र में बनने वाली गठबंधनों सरकारों में क्षेत्रीय दलों की भूमिका ने उनके महत्व को स्पष्ट किया।

विचारधारा के स्थान पर कार्यसिद्धि पर सहमति – इससे पूर्व तक चुनावों में राजनीतिक दल विचारधारा के आधार पर चुनाव लड़ते थे। अब राजनीतिक दलों ने स्वीकार किया कि कार्यसिद्धि ही जन समर्थन का एक माध्यम है।

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न -

21. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् संयुक्त राज्य अमेरिका व सोवियत संघ दो महाशक्तियों के रूप में उभरे। अमेरिका ने पूँजीवाद तथा सोवियत संघ ने साम्यवाद का नेतृत्व किया। सोवियत संघ ने द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात साम्यवाद के प्रचार व प्रसार की नीति का अनुसरण किया जिसके परिणामस्वरूप पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच वैचारिक द्वंद्व का जन्म हुआ जिसे शीतयुद्ध के नाम से जाना जाता हैं। इस दौरान विश्व दो खेमों में विभक्त हुआ तथा महाशक्तियों ने एक-दुसरे पर वैचारिक तीर दागे अत: इसे कागजी गोलों से लड़ा गया युद्ध कहा जाता है। यद्यपि इस दौरान दोनों महाशक्तियों के बीच सीधा सैन्य संघर्ष नहीं हुआ लेकिन फिर भी यह किसी भी शस्त्र युद्ध से अधिक घातक था। क्योंकि इस समय सशस्त्रीकरण की होड़ अत्यधिक तीव्र हो गई थी।

शीतयुद्ध के दौरान भारत की भुमिका - शीतयुद्ध के दौरान भारत ने अमरीका और सोवियत संघ दोनों गुटों से अलग रहने की नीति को अपनाया, जिससे वह दोनों गुटों के साथ अच्छे संबंध बना सके, न कि तनाव के माहौल में रहे। भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा घाना, मिस्र, इण्डोनेशिया और यूगोस्लाविया के शासकों के साथ मिलकर एक तीसरा मोर्चा खोला गया, जिसे गुटनिरपेक्षता कहा जाता है। गुटनिरपेक्षता किसी गुट में शामिल न होने की नीति है, न कि निष्क्रिय होने की नीति। भारत ने दोनों गुटों से अलग रहकर विश्व राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए शीतयुद्ध के दौरान दोनों गुटो के मध्य तनाव को कम करने का प्रयास किया। भारत ने स्वेज नहर पर ब्रिटिश आक्रमण, नवउपनिवेशवाद, सोवियत संघ के हंगरी पर आक्रमण जैसे मुद्दो पर विरोध प्रकट किया। भारत ने स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिये इन खेमों में शामिल देशों से आर्थिक व तकनीकी सहयोग भी प्राप्त किया। पाकिस्तान को सैन्य गुटों में शामिल करने पर भी भारत ने विरोध प्रकट किया। जिससे भारत – अमरीकर संबंधों में दुरिया बढ़ी। भारत ने नियोजित विकास के लिये सोवियत संघ के मॉडल का अनुसरण किया तथा सोवियत संघ से आवश्यक सहायता भी प्राप्त की। भारत की भूमिका शीतयुद्ध के दौरान सकारात्मक रही तथा शीतयुद्ध को विश्वयुद्ध में परिणित होने से बचा लिया।

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच विभाजित था। 1940 के दशक में एशिया में नवीन स्वतंत्र देशों का उद्भव हुआ। इसी क्रम में अलगे दो दशक में अफ्रीकी व लेटिन अमरीकी देश भी उपनिवेशवाद से स्वतंत्र हुए। इन सभी देशों पर

पूँजीवादी व साम्यवादी दोनों में से किसी एक गुट में शामिल होने का दबाव था ऐसे में भारत, मिश्र व युगोस्लाविया के नेता नेहरू, नासिर व टीटो ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन को जन्म दिया। गुटनिरपेक्षता का अर्थ किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करना है। गुटनिरपेक्षता का अभिप्राय शीतयुद्धकालीन पूँजीवादी व साम्यवादी खेमों से पृथक रहना था तथा शीतयुद्ध को रोकना था। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला शिखर सम्मेलन, 1961 को बेलग्रेड में हुआ था। इसमें 25 अफ्रीकी, एशियाई राष्ट्रों तथा एक यूरोपीय राष्ट्र ने भाग लिया था। एशिया व अफ्रीका के नव स्वतंत्र राष्ट्र न तो पूँजीवादी विचारधारा को अपनाना चाहते थे और न ही साम्यवादी विचारधारा को इसलिए उन्होंने दोनों से पृथक रहकर शक्ति राजनीति, शीतयुद्ध, साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद, नव उपनिवेशवाद, नस्ल भेद, शस्त्र दौड़, तथा परमाणु प्रयोग के विरूद्ध एक आंदोलन छेड़ दिया।

गुटनिरपेक्षता का मतलब 'पृथकतावाद' नहीं। 'पृथकतावाद' का अर्थ होता है अपने को अंतर्राष्ट्रीय मामलों से काटकर रखना। 1787 से अमरीका ने पहले विश्वयुद्ध की शुरूआत तक अपने को अंतर्राष्ट्रीय मामलों से अलग रखा। उसने 'पृथकतावाद' की विदेश-नीति अपनाई थी। इसके विपरीत गुटनिरपेक्ष देशों ने शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच मध्यस्थता में सक्रिय भूमिका निभाई। गुटनिरपेक्ष देशों की ताकत की जड़ उनकी आपसी एकता और महाशक्तियों द्वारा अपने-अपने खेमें में शामिल करने की पुरजोर कोशिशों के बावजूद ऐसे किसी खेमें में शामिल न होने के उनके संकल्प में हैं।

गुटनिरपेक्ष का अर्थ 'तटस्थता' का धर्म निभाना भी नहीं है। 'तटस्थता' का अर्थ होता है। तटस्थ देश युद्ध में संलग्न नहीं होतें और न ही युद्ध के सही-गलत होने के बारे में उनका कोई पक्ष होता है। दरअसल कई कारणों से गुटनिरपेक्ष देश युद्ध में शामिल हुए हैं। इन देशों ने दूसरे देशों के बीच युद्ध को होने से टालने के लिए काम किया है और हो रहे युद्ध के अंत के लिए प्रयास किए है।

22. चीन के साथ भारत के संबंध -

1962 के युद्ध में भारत को सैनिक पराजय झेलनी पड़ी और भारत-चीन सम्बन्धों पर इसका दीर्घकालिक असर हुआ। 1976 तक दोनों देशों के बीच कूटनैतिक संबंध समाप्त ही रहे। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों के बीच सम्बन्धों में सुधार शुरू हुआ। 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन का राजनीतिक नेतृत्व बदला। चीन की नीति में भी अब वैचारिक मुद्दों की जगह व्यावहारिक मुद्दे प्रमुख होते गए इसलिए चीन भारत के साथ संबंध सुधारने के लिए विवादास्पद मामलों को छोड़ने को तैयार हो गया। 1981 में सीमा विवादों को दूर करने के लिए वार्ताओं की श्रृंखला भी शुरू की गई।

शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से भारत-चीन संबंधों में महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है। अब इनके संबंधों का रणनीतिक ही नहीं, आर्थिक पहलू भी है। दिसम्बर 1988 में राजीव गांधी द्वारा चीन का दौरा करने से भारत-चीन सम्बन्धों को सुधारने के प्रयासों को बढ़ावा मिला। इसके बाद से दोनों देशों ने टकराव टालने और सीमा पर शांति और यथास्थिति बनाए रखने के उपायों की शुरुआत की है। दोनों देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने के समझौते भी किए हैं। 1999 से भारत और चीन के बीच व्यापार 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। इससे चीन के साथ संबंधों में नयी गर्मजोशी आयी है। चीन और भारत के बीच 1992 में 33 करोड़ 80 लाख डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था जो 2017 में बढ़कर 84 अरब डॉलर का हो चुका है। हाल में, दोनों देश ऐसे मसलों पर भी सहयोग करने के लिए राजी हुए हैं जिनसे दोनों के बीच विभेद पैदा हो सकते थे. जैसे विदेशों में ऊर्जा सौदा - हासिल करने का मामला। वैश्विक धरातल पर भारत और चीन ने विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठनों के नेता तथा अधिकारी अब अक्सर नयी दिल्ली और बीजिंग का दौरा करते हैं। इससे दोनों देश एक-दूसरे को ज्यादा करीब से समझने लगे हैं। परिवहन और संचार मार्गों की बढ़ोत्तरी, समान आर्थिक हित तथा एक जैसे वैश्विक सरोकारों के कारण भारत और चीन के बीच संबंधों को ज्यादा सकारात्मक तथा मजबूत बनाने में मदद मिली है। हालांकि हाल के समय में दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट आई है। इसके कारण सीमा विवाद, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद विरोधी भारतीय प्रस्ताव के विरुद्ध चीन द्वारा पाकिस्तान को समर्थन देना आदि हैं।

अथवा

अमेरिका ने 'नाटो' के तहत एक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को जन्म दिया। मार्शल योजना के तहत ही 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों को आर्थिक मदद दी गई। यह एक ऐसा मंच बन गया जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों ने व्यापार और आर्थिक मामलों में एक-दूसरे की मदद शुरू की। 1949 में गठित यूरोपीय परिषद् राजनीतिक सहयोग के मामले में एक अगला कदम साबित हुई। यूरोप के पूंजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था के आपसी एकीकरण की प्रक्रिया चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ी। 1951 में पश्चिमी यूरोप के 6 देश फ्रांस, पश्चिमी जर्मनी, इटली, बेल्जियम, नीदरलैण्ड, लज्मबर्ग ने पेरिस संधि के माध्यम से यूरोपीय कोयला और इस्पात समुदाय का गठन किया। 1957 में रोम की संधि के माध्यम से यूरोपीयन आर्थिक समुदाय (EEC) तथा यूरोपीय एटमी समुदाय (Euratom) का गठन किया गया। यूरोपीयन पार्लियामेंट

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

के गठन के बाद इस प्रक्रिया ने राजनीतिक स्वरूप प्राप्त कर लिया। सोवियत गुट के पतन के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आयी और 1992 में इस प्रक्रिया की परिणति यूरोपीय संघ की स्थापना के रूप में हुई। यूरोपीय देश संघ के रूप में समान विदेश और सुरक्षा नीति, आंतरिक मामलों तथा न्याय से जुड़े मुद्दों पर सहयोग और एकसमान मुद्रा के चलन के लिए रास्ता तैयार हो गया। यूरोपीय संघ के गठन के समय 12 देश इसके सदस्य थे। 2004 में साइप्रस चेक गणराज्य, स्टोनिया, हंगरी, लताविया, लिथुआनिया, माल्टा, पोलैण्ड, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया यूरोपीस संघ में शामिल हुए। 2007 में बुल्गारिया व रोमानिया शामिल हुए। 2013 में क्रोएशिया यूरोपीय संघ 28 वाँ सदस्य बना तथा 2016 में ब्रिटेन ब्रेक्जिट के पश्चात यूरोपीय संघ से अलग हो गया।

23. भारत 1947 में स्वतंत्र हुआ। इस समय से पूर्व ऐसा कोई भी राष्ट्र स्वतंत्र नहीं हुआ था जिसने इतनी भंयकर त्रासदी देखी हो। भारत – पाक विभाजन ने हिंसा, पुर्नवास व विस्थापन जैसी त्रासदी को जन्म दिया। आजाद भारत के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती थी।

14-15 अगस्त 1947 को भारत और पाकिस्तान दो राष्ट्र अस्तित्व में आये। पाकिस्तान का जन्म द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर हुआ। मुस्लिक लीग ने मुसलमानों के अलग राष्ट्र की मांग रखी थी जिसे अंग्रेजों ने स्वीकार कर लिया तथा बहुसंख्यक मुस्लिम भारत को पाकिस्तान घोषित किया। इस विभाजन से भारत हिंसा का अखाड़ा बन गया। मानव इतिहास का यह सबसे बड़ा स्थानान्तरण था। धर्म के नाम एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों को बेरहमी से मारा। लाहौर, अमृतसर तथा कलकत्ता जैसे शहर साम्प्रदायिक अखाड़े में तब्दील हो गये। लोगों को घर बार छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। एक देश छोड़कर दूसरे देशों में जाने वाले लोगों को शरणार्थी शिविरो मे पनाह लेनी पड़ी। औरतों को अगवा कर लिया गया तथा उन्हें जबरन शादी के लिये मजबूर किया गया तथा उनसे धर्म परिवर्तन करवाया गया। कई लोगों ने अपनी इज्जत बचाने के लिये अपनी बहु-बेटियों को मौत के घाट उतार दिया। विभाजन के दौरान वित्तीय संपदा के साथ-साथ टेबेल, कुर्सी, टाइपराइटर, पुलिस के वाद्ययंत्रों जैसे सामानों की अदला-बदली की गई। रेलकर्मचारियों का बंटवारा किया गया। इस विभाजन के दौरान लगभग 80 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा तथा 5 लाख लोगों को जान गवानी पड़ी। भारत और पाकिस्तान के लेखक कवि तथा फिल्म निर्माताओं ने अपने उपन्यास, लघुकथा, कविता और फिल्मों में इस मार-काट की नृंशसता का जिक्र किया तथा विस्थापन और हिंसा से पैदा दुखों की अभिव्यक्ति दी।

अथवा

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय देशी रियासतों के एकीकरण में अहम भूमिका निभाई। यह कार्य आजाद भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों में सबसे कठिन था लेकिन सरदार पटेल ने कठोर नीति अपनाकर इसे सफल किया। सरदार वल्लभ भाई पटेल भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान महात्मा गांधी के अनुयायी थे। ये स्वतंत्र भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं प्रथम गृहमंत्री रहे। सरदा पटेल मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक, प्रांतीय संविधान आदि से सम्बन्धित संविधान सभा की महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य रहे।

पटेल देसी रियासतों को भारत संघ में मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही, सरदार वल्लभ भाई पटेल को 'लौह पुरुष' कहा जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् रियासतों को भारत में विलय करना सरल कार्य नहीं था।

5 जुलाई, 1947 ई. को सरदार पटेल की अध्यक्षता में 'स्टेट विभाग' की स्थापना की गयी। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री की हैसियत से पटेल ने सबसे पहले 565 रजवाड़ों का भारत संघ में विलय करना ही अपना पहला कर्तव्य समझा। सरदार पटेल के प्रयासों से शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से लगभग समस्त रियासतें जिनकी सीमाएं स्वतंत्र भारत की नयी सीमाओं से मिलती थीं, 15 अगस्त 1947 से पहले ही भारतीय संघ में सम्मिलित हो गए।

अधिकांश रियायतों के शासकों ने भारतीय संघ में अपने विलय के एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस सहमति पत्र को 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ एक्सेशन' कहा गया। जूनागढ़, हैदराबाद व कश्मीर की रियासतों का भारत में विलय करने के लिए सरदार पटेल को सेना की सहायता भी लेनी पड़ी। जूनागढ़ गुजरात के दक्षिण - पश्चिम किनारे पर स्थित एक छोटी सी रियासत थी। इस रियासत की जनता मुख्यत हिन्दू थी तथा इसका नबाव मुसलमान था। वह पाकिस्तान में मिलना चाहता था जबकि जनता भारत में। सरदार पटेल ने नबाव पर जनमत संग्रह कराने का दबाव डाला। नबाव द्वारा असहमत होने पर सरदार पटेल ने सेना की सहायता से जूनागढ़ रियासत को भारत में विलय कराया।

हैदराबाद भारत के दक्षिण में स्थित एक विशाल राज्य था। यहाँ का शासक जिसे निजाम कहा जाता था, वह आजाद रियासत का दर्जा चाहता था। जनता निजाम के अत्याचारी शासन से परेशान थी। वह भारत में मिलना चाहती थी। सरदार पटेल के प्रयासों से निजाम को आत्मसमर्पण करना पड़ा और यह रियासत भी भारत में सम्मिलित हो गयी। इसी प्रकार कश्मीर का भारत में विलय हुआ। यहाँ का हिन्दू शासक भारत में शामिल नहीं होना चाहता था। उसने अपने स्वतंत्र राज्य के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ समझौता करने की कोशिश की। पाकिस्तान के घुसपैठियों से परेशान होकर यहाँ के शासक ने भारत से मदद मांगी और भारत संघ में विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए।

UTKARSH
CLASSES

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan कर आज ही **'उत्कर्ष एप'** डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE** & Recorded Classes • English & Hindi Medium

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com